केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करे।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एव उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जाव

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

V.SHINDRAM
U.M.T. P.N.-010296
Govt.EX.H.S.S.Dindori
M.-9753022081

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

शा.उ.मा.वि.शाहपुर
रजि.न.–010108
मो.–8435931250

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 2 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 1 का उत्तर

भी

1556

दो

अर्थालंकार

भगत जी

मराठी

प्रश्न क्रमांक 2 का उत्तर

(i) मुक्तिबोध उपन्यास के रचनाकार जैनेन्द्र कुमार है।

(ii) रचना के आधार पर वाक्यो को मुख्यतः तीन भागो मे बाँटा गया है।

SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

(iii) आनंद यादव का मन पाठशाला जाने के लिए तड़पता था।

(iv) हिन्दी में नेट पत्रकारिता की शुरुआत वेब दुनिया से के साथ हुई।

(v) कवि जग जीवन का भार लिए फिरता है।

(vi) जहाँ उपमेय को उपमान से श्रेष्ठ बताया जाए वहाँ व्यतिरेक अलंकार होता है।

B S E

प्रश्न क्रमांक ड. का उत्तर

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न 3

असत्य

प्रश्न क्रमांक 4. का उत्तर

	'क'		सही उत्तर
(i)	कथानक	→	कहानी
(ii)	संस्कृत के मूल शब्द	→	तत्सम
(iii)	यशोधर बाबू	→	सिल्वर वैडिंग
	अंतरंग साक्षात्कार	→	डायरी
(v)	हरिवंश राय बच्चन	→	हालावाद
(vi)	प्रगतिवाद	→	1936
(vii)	यशोधरा	→	खण्डकाव्य

BOARD OF EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUC

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 5. का उत्तर

(i) सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मोहनजोदड़ो / मअुनजो-दड़ो था।

(ii) आमतौर पर रेडियो नाटक की अवधि 15-30 मिनट तक होती है

सूरज का सांतवा घोड़ा धर्मवीर भारती की रचना है।

शांत रस के स्थाई भाव का नाम निर्वेद है।

(v) आलोक धन्वा का एकमात्र काव्य संग्रह 'दुनिया रोज बनती है।'

(vi) पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे।

(vii) बाल-बाल बचना मुहावरे का अर्थ है - किसी बड़ी मुसीबत से सुरक्षित बच जाना।

प्रश्न क्रमांक 6. का उत्तर

भक्तिन एक देहाती वृद्धा थी। वह सबको अपने अनुसार बना लेना चाहती थी। भक्तिन ने महादेवी वर्मा को अपने मनपसंद का भोजन

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

खिलाकर देहातिन बना दिया था। वह महादेवी वर्मा को रात मे मकई का दलिया, सुबह मट्ठे का सोंधा, बाजरे एवं तिल के बनाए गए पुए ~~खिलाकर उन्हे~~ आदि उन्हे खिलाया करती थी परंतु भक्तिन के पोपले मुँह मे रसगुल्ला तक प्रवेश नहीं कर पाया।

प्रश्न क्रमांक 7 का उत्तर (अथवा)

• आत्मकथा	• जीवनी
(i) आत्मकथा स्वयं की लिखी जाती है	(i) जीवनी दूसरों के द्वारा ~~लिखती~~ लिखी जाती है
(ii) आत्मकथा मे स्वयं के गुणों एवं दोषो की जानकारी दी जाती है	(ii) जीवनी मे दूसरों के गुणो की जानकारी दी जाती है।

प्रश्न क्रमांक 8 का उत्तर

निपात :- वे अव्यय जो किसी शब्द या पद के बाद लगकर उसके अर्थ मे विशेष बल देते हैं, उन्हें निपात शब्द कहते हैं

(7)

प्रश्न क्र.

(ii) दो निपात शब्द :- भी, तो।

प्रश्न क्रमांक 9. का उत्तर (अथवा)

(i) बालक रोता रहा और चुप हो गया।

(ii) शायद मयूर वन में नाचता है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 10. का उत्तर

मुअनजो-दड़ो की नगर नियोजन की दो विशेषताएँ निम्नलिखित है:-

(i) मुअनजो-दड़ो नगर की सड़के आड़ी व तिरछी थी जिसे आज के पुरातत्व ग्रिड प्लान कहते है

(ii) मुअनजो-दड़ो नगर के सभी घरों में स्नानागार थे एवं पक्की ईंटो से बने हुए थे।

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 11. का उत्तर

(i) समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय शैली 'उल्टा पिरामिड' शैली है।

(ii) चित्र

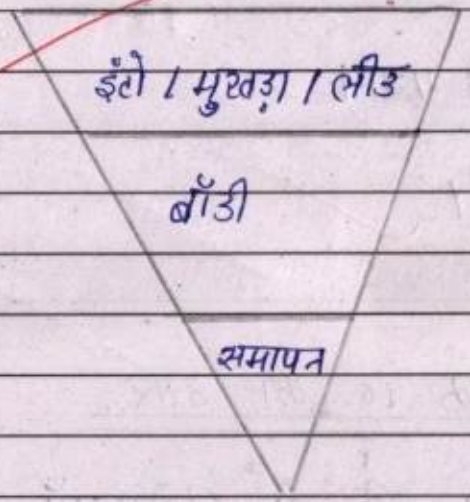

BSE

प्रश्न क्रमांक 12. का उत्तर (अथवा)

कवि कुँवर नारायण द्वारा रचित कविता 'बात सीधी थी पर' में कहते हैं कि भाषा को भावों के अनुरूप लिखना चाहिए। किसी भी बात को कहने के लिए सहज, सरल एवं सुबोध भाषा का प्रयोग करना चाहिए। भाषा को जटिल एवं कठिन नहीं बनाना चाहिए।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर (अथवा)

(i) प्रयोगवाद के प्रवर्तक "नागार्जुन" जी है

(ii) वि... :- प्रयोगवाद में बुद्धि की प्रधानता है
प्रयोगवाद मे व्यंग्य की प्रधानता देखने को मिलती है।
प्रयोगवाद मे प्रेमभाव का खुला चित्रण हुआ है।
प्रयोगवाद मे रूढ़ियों की प्रति विरोध का भाव है।

B S E

प्रश्न क्रमांक 14 का उत्तर (अथवा)

• खण्डकाव्य	• महाकाव्य
(i) खण्डकाव्य छोटा होता है	(i) महाकाव्य बड़ा होता है
खण्डकाव्य में नायक के जीवन की किसी एक घटना का वर्णन होता है।	(ii) महाकाव्य मे नायक के सम्पूर्ण जीवन की घटनाओं का वर्णन होता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर (अथवा)

वीर रस :- जब उत्साह / साहस नामक स्थायीभाव, संचारीभाव, विभाव, अनुभाव आदि के साथ संयोग कर अपना चमत्कार उत्पन्न करें वहाँ पर वीर रस होता है

उदाहरण :- ~~हम भारत के वीर सिपाही मुसीबतों से न घबराएँगे~~

"हम भारत के वीर सिपाही, आगे कदम बढ़ाएँगे।
चाहे मुश्किल कितनी ही आ जाए, उनसे न घबराएँगे ॥"

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर

महादेवी वर्मा

(i) दो रचनाएँ :- दीपशिखा, यामा (काव्य संग्रह)

(ii) भाषाशैली :- महादेवी वर्मा जी की भाषा अत्यंत उत्कृष्ट, सार्थक एवं सहज है। महादेवी वर्मा जी ने उर्दू एवं फारसी के लोक प्रचलित शब्दों का प्रयोग बड़ी सुंदरता से किया है। हमें इनकी रचनाओं में चित्रों को अंकित करने एवं अर्थ को अभिव्यक्त

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

करने की अद्भुत क्षमता है। आपकी रचनाओ में मुहावरो एवं कहावतों का सटीक प्रयोग है।

साहित्य में स्थान :- महादेवी वर्मा जी प्रतिभावान कवियित्रियों में से एक थी। आपने हिन्दी साहित्य के गद्यों एवं काव्यों में विशेष योगदान देने के लिए हिन्दी साहित्य आपका ऋणी रहेगा। महादेवी वर्मा जी छायावादी कवियों में से एक थी। ऐसा कहा जाता है कि आप सरस्वती व मीरा बनकर आसमान मे ध्रुव तारे के समान सदैव चमकती रहेंगी।

D S E

प्रश्न क्रमांक 17. का उत्तर (अथवा)

• मुहावरे	• लोकोक्ति
मुहावरे वाक्यांश होते है।	(i) लोकोक्तियाँ संपूर्ण वाक्य होती है।
मुहावरों के अंत में 'ना' का प्रयोग किया जाता है।	(ii) लोकोक्तियाँ के अंत में 'ना' का भी प्रयोग नहीं किया जाता है।
(iii) मुहावरे भाषा का शृंगार होते है।	(iii) लोकोक्तियाँ साहित्य का गौरव होती है।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 18. का उत्तर

रघुवीर सहाय

(i) **दो रचनाएँ :-** (1) लोग भूल गए हैं।
(2) सीढ़ियों पर धूप में।

(ii) **भावपक्ष - कलापक्ष :-** रघुवीर सहाय जी संवेदन प्रतिनिधी के कवि थे, इनकी रचनाओं में हमें राजनीती सत्ता के प्रति व्यंग देखने को मिलता है। इनकी रचनाओं में मानवीय मूल्यों को नए तरीके से परिभाषित किया गया है। आपकी रचनाओं में सामाज के प्रति निष्ठा स्पष्ट झलकती है।

रघुवीर सहाय जी ने अपने काव्यों में व्यंग्य शैली, अलंकारों एवं रसों का प्रयोग किया है।

आपने मुख्य - साहित्यिक खड़ी बोली में लेखन किया है।

(iii) **साहित्य में स्थान :-** रघुवीर सहाय जी सबसे लंबे समय तक याद रखे जाने वाले कवि है। इनके काव्यों में अखबारी सतहपन एवं पत्रकारिता के अनुभव स्पष्ट झलकते है। हिन्दी साहित्य में आपके योगदान के लिए सदा ऋणी रहेगा।

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARY

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 19. का उत्तर (अथवा)

(i) 'राष्ट्रीय शौर्यभाव'

राष्ट्रीय भावना में शौर्यभाव का विशिष्ट स्थान है

(ii) सुदीर्घ का अर्थ :- लम्बा समय

B S E

प्रश्न क्रमांक 20. का उत्तर

पद्यांश :- किसबी - - - - - - - आगि पेट की ॥

(i) संदर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2 में संकलित कविता 'कवितावली' से ली गई है जिसके कवि तुलसीदास जी है

(ii) प्रसंग :- प्रस्तुत पद्यांश में लोकमंगल कवि तुलसीदास जी ने कलयुग के प्रभाव का वर्णन किया है।

(iii) व्याख्या :- तुलसीदास जी कहते है कि कलयुग के प्रकोप के कारण किसान, बनिया, भिखारी, नौकर, बाजीगर, चोर आदि अपना पेट भरने के

MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

लिए विभिन्न प्रकार की कलाएँ एवं गुण सीखते है। वे कहते है कि आर्थिक व्यवस्था ठीक न होने के कारण मनुष्य ऊँचे-नीचे कर्म करने को विवश है। वे अपनी पेट की आग बुझाने के लिए अपने ~~बेटा एवं बेटी को भी~~ पुत्र एवं पुत्री को भी बेच देते है लेकिन तुलसीदास जी कहते है कि यह पेट की आग सिर्फ राम रूपी घनस्याम ही बुझा सकते है।

(iv) विशेष :- (i) अवधि भाषा का प्रयोग है।
(ii) राम के प्रति भक्ति भावना है।

<u>प्रश्न क्रमांक 21. का उत्तर</u>

गद्यांश :- यह शिरीष - - - - - - - मस्त रहते है।

(i) संदर्भ :- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2 मे संकलित निबंध '<u>शिरीष के फूल</u>' से लिया गया है जिसके लेखक <u>हजारी प्रसाद द्विवेदी</u> जी है।

(ii) प्रसंग :- प्रस्तुत गद्यांश मे हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने शिरीष के फूल की खूबियो का वर्णन किया है।

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(iii) व्याख्या :- हजारी प्रसाद द्विवेदी जी कहते है कि शिरीष एक अद्भुत संन्यासी (अवधूत) है। शिरीष भी असमान परिस्थितियों से लड़कर मस्त खिला रहता है। शिरीष के फूल को न किसी से कुछ लेना है न किसी को कुछ देना है। जब धरती और आसमान भयंकर गर्मी से जलते रहते है तब भी शिरीष कोमल पुष्पों से लदा होता है। लेखक यह विचार करते है कि यह शिरीष का पेड़ जाने कहाँ से रस खींचता है। शिरीष का पेड़ हमेशा मस्त रहता है एवं अपना सौंदर्य बिखेरता रहता है।

(iv) विशेष :- (i) शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग है।
(ii) शिरीष के फूल की विशेषताओं का वर्णन है।

प्रश्न क्रमांक 22 का उत्तर (अगला पृष्ठ)

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

पत्र (प्रश्न क्रमांक 22 का उत्तर) (अथवा)

दत्त गार्डन व्यू
तिलहरी, जबलपुर (म.प्र)

दिनांक :- 06/02/2024

प्रिय आयुषी
मैं आशा करती हूँ कि तुम अपने परिवार के साथ स्वस्थ एवं सुखी होगी। मैं भी अपने परिवार के साथ आनंद में हूँ। मुझे यह बताते हुए यह प्रसन्नता हो रही है कि मेरे बड़े भाई की शादी आगामी दिनों में होने वाली है। शादी का कार्यक्रम लगभग मार्च से प्रारंभ हो जाएगा। अतः मैं तुम्हें सपरिवार अपने भाई की शादी में आमंत्रित करती हूँ। तुम्हारे आने से मेरे भाई की शादी में चार-चाँद लग जाएँगे। मैं आशा करती हूँ कि तुम मेरे भाई की शादी में जरुर आओगी।

मेरी तरफ से घर के बड़ो को प्रणाम एवं छोटो को प्यार।

तुम्हारी मित्र
क. ख. ग

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 23. का उत्तर

प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव

रूपरेखा :-

- प्रस्तावना
- प्रदूषण के कारण
- प्रदूषण का प्रभाव
- प्रदूषण का निवारण
- उपसंहार

B S E

(i) **प्रस्तावना** :- प्रकृति ने मानव को स्वस्थ एवं सुंदर वातावरण प्रदान किया है, मनुष्यों को प्रकृति से बहुत सारी वस्तुओं का लाभ प्राप्त होता है। हमारे आस-पास रंग-बिरंगे फूल-पौधे, शुद्ध एवं स्वच्छ वातावरण प्रकृति की ही देन है। आरंभ में मनुष्य सिर्फ अपनी जीविका के लिए प्रकृति का उचित उपयोग करता था परंतु धीरे-धीरे मनुष्य के मन में लालच आ गई जिसके कारण वह प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने लगा। इसी कारण आज वातावरण में स्वच्छता का अभाव हो गया है

(ii) **प्रदूषण के कारण** :- मनुष्य की लालसा ने प्रकृति को बुरी बुरे तरीके से प्रभावित किया है। मनुष्यों ने प्रकृति का अंधाधुंध प्रयोग किया है। प्रदूषित पर्यावरण के अनेक कारण है जैसे पेड़ों की कटाई, गाड़ियों से

प्रश्न क्र.

निकलने वाले धुएँ, उद्योगो से निकलने वाली हानिकारक गैसे आदि पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रही है। इन सभी कारणों से भूमि का बंजर हो जाना निश्चित है। मनुष्यों द्वारा पोलिथीन की उपियोगिता से धरती पर कूड़ा जमा हो गया है इसके फलस्वरूप वायुप्रदूषण, जलप्रदूषण जैसी अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो गयी है।

BSE

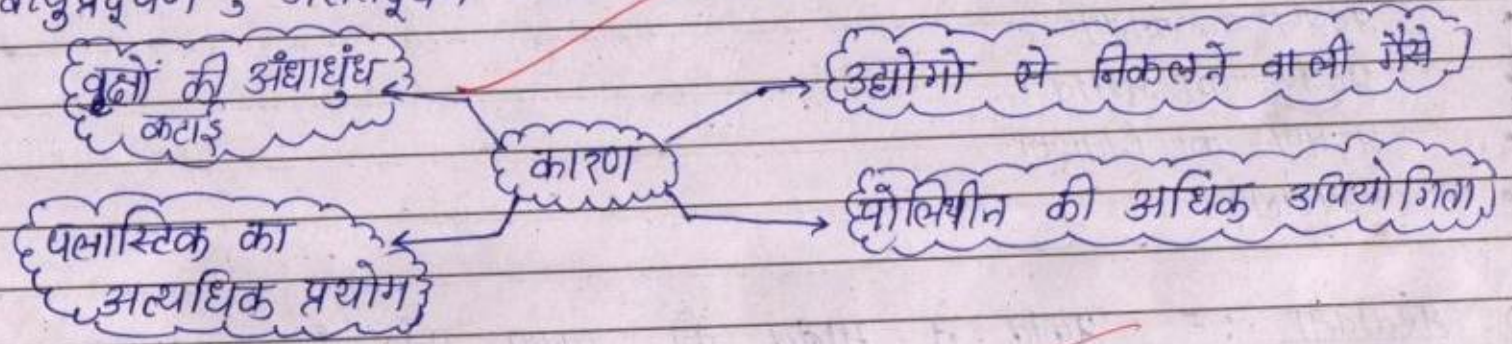

इन से सभी कारणों से प्रकृति दूषित हो रही है

(ii) <u>प्रदूषण का प्रभाव</u> :-

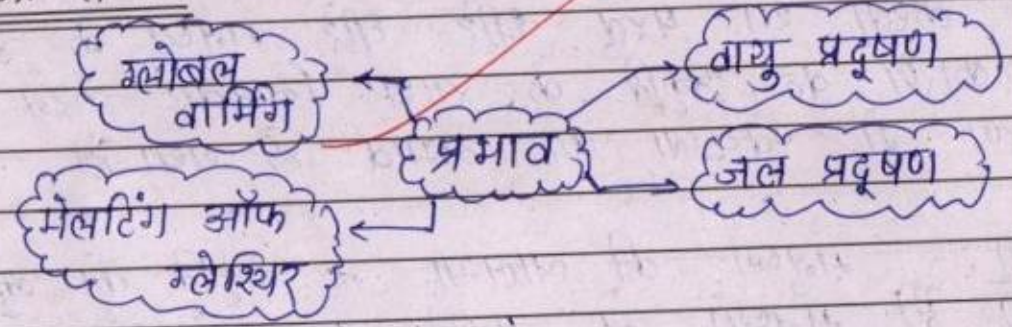

प्रदूषण से प्रकृति को अनेक प्रकार का नुकसान हुआ है।

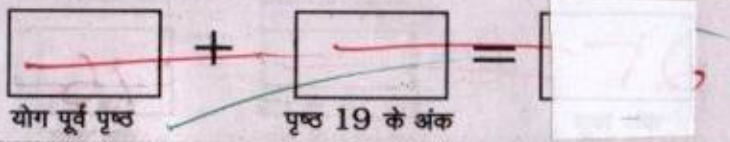

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

वृक्षों की कटाई से वायु प्रदूषित हो गयी है। वायु प्रदूषण से मनुष्य को साफ एवं स्वच्छ हवा नहीं मिल रही है जिससे उन्हें अस्थमा, कैंसर जैसी घातक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है।
जल प्रदूषण होने के कारण मनुष्यों को साफ एवं निर्मल जल का अभाव है। पर्यावरण दूषित होने के कारण पृथ्वी की तापमान में वृद्धि हो गयी है जिसके फलस्वरूप 'ग्लोबल वार्मिंग' की समस्या उत्पन्न हो गयी है पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी होने से हिम पिघलने लगे है जिससे नद के पास वाले नगरों में बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो गयी है।
पशु एवं पक्षियों का जीवन नष्ट हो गया है जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है।

B S E

(iv) <u>प्रदूषण का निवारण</u> :- इन सभी समस्याओं का जिम्मेदार मानव समाज ही है। इसका निवारण करना मनुष्यों का ही उत्तरदायित्व है क्योंकि मनुष्यों ने ही प्रकृति के साथ छेड़खाड़ की है। यदि हम इस प्रकृति प्रदूषण के प्रभाव को कम नहीं करेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब मानव अपने पतन की ओर होगा। प्रदूषण की समस्या को कम करने के लिए हम निम्नलिखित उपाय कर सकते हैं:-

उपाय
- वृक्षारोपण।
- डीजल एवं पैट्रोल की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग।
- उद्योगों व फैक्टरियों से निकलने वाले गैसों एवं पदार्थों को रोकने की व्यवस्था करनी चाहिए।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = [redacted]

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCAT

प्रश्न क्र.

जब हम इन सभी समस्याओं का समाधान करेंगे तभी हम प्रकृति के प्रकोप से बच पाएँगे।

(४) उपसंहार :- प्रकृति का उचित प्रयोग करने पर ही हम सब अच्छा ~~जीवनयापन~~ जीवन व्यतीत कर सकते है। हमें प्रकृति के संसाधनों का सही प्रयोग करना चाहिए एवं प्रकृति को सुंदर एवं स्वच्छ बनाना चाहिए जिससे मानव जीवन सुखी रह सकता है।

B S E